

class - B.A. Part - I

Sub - Hindi (Elective) - Comp - 100 @ 50

by Ramesh Kumar

1) कबीर का रहस्यवाद भावनात्मक है या साधनात्मक - स्पष्ट करें ?
उत्तर - कबीर की कविताओं में रहस्यवाद का स्पष्ट संकेत है। वे स्वरहस्यवाद के आवि प्रवर्तक माने जाते हैं। इन्होंने भावनात्मक एवं साधनात्मक दोनों प्रकार के रहस्यवाद को अपनी कविताओं में स्थान दिया है। भावनात्मक रहस्यवाद का उद्देश्य है असीम और ससीम के बीच प्रेम भाव के सहारे प्रेम की स्थापना। यथा -

(1) हरि मोर पिउ में हरि की बहुरिया

(2) कहें कबीर व्याहि चली हो

पुरुष एक अविनाशी

साधनात्मक रहस्यवाद के अन्तर्गत दृढयोग की क्रियाएँ और शारीरिक आध्यात्मिक साधनाएँ आती हैं। यथा -
गगन गरजि बरजे आभी,

बादल गहिर गंभीर।

चहुँदिसि दमके दामिनी,

मीने दास कबीर ॥३॥

जब व्यक्ति व्यापार अनुभूति की अभिव्यक्ति के लिए साधारण भाषा से काम नहीं चला तब कबीर ने किसी रूप का सहारा लेकर भावनात्मक व्यक्तिकी है। यथार्थ तौर पर यह है कि जो कबीर के सिद्धांत से पूर्णतया परिचित है, वही इसका अर्थ लगा सकता है। कबीर ने अपनी वाणी को विशेषकर दो रूपों में

बांधा है। एक तो ऊपर बांसी का रूप जिसमें स्वाभाविक व्यापारों के विपरीत कार्य की कल्पना की जाती है। दूसरा रूप है आश्चर्यजनक घटनाओं की सृष्टि का। इन दोनों का संबंध रहस्यवाद से है। शरीर में अमृत परमात्मा की अनुभूति वैसी ही है जैसे नाव में नदी का डूब जाना और परमात्मा से मिलन के आनंद वैसा ही है जैसे सिंह का काम करना।

इस प्रकार कबीर के रहस्यवाद की विभिन्न स्थितियों का अध्ययन करने पर ज्ञात होता है कि (i) कबीर के रहस्यवाद में अनुभूति का प्राधान्य है जिसके परिणामस्वरूप कबीर ने आसक्ति, जिज्ञासा, माधुर्य भावना, अन्तर्मुखी साधना, विरह-मिलन अवैतावृत्त्या आदि का चित्रण बड़े मनोयोग के साथ किया है। (ii) कबीर की रहस्य भावना में दार्शनिकता का छुट मिलता है। (iii) कबीर की रहस्य-भावना पर सूफी कवियों का प्रभाव भी लक्षित होता है इसी कारण वे दाम्पत्य भाव को लेकर विरह और मिलन के चित्र अंकित करने में समर्थ सिद्ध हुए हैं। (iv) कबीर का रहस्यवाद व्यक्ति मूलक होने हुए भी लोककल्याणकारी है। (v) कबीर के रहस्यवाद में आत्मा व परमात्मा के आवात्मक तादात्म्य का बड़े ही सजीव ढंग से निरूपण किया गया है। (vi) कबीर ने साधनात्मक रहस्यवाद को अधिक अपनाया है ऐसे आवात्मक रहस्यवाद का भी एकांतिक अभाव नहीं है।